विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

क्या कम वोटिंग का अर्थ लोकतंत्र में विश्वास की कमी है?

प्रश्न गम्भीर है और इसका उत्तर जटिल। साधारणतः यह कहा जा सकता है कि कम वोटिंग के अनेक कारण हैं। चुनावों में मतदान की प्रक्रिया को उसके पेटर्न को समझना भी एक कला है। मतदान संवैधानिक अधिकार है। यह आवाज प्रारम्भ ही से सुनी जा रही है कि मतदान करना अनिवार्य होना चाहिये। सन 1951-52 से प्रारम्भ होने वाले चुनावों से लेकर अभी तक यह स्पष्ट रूप से समझा जा रहा है कि चुनावों में समय ज्यादा भागीदारी गरीबों की, साधारण व्यक्तियों की है, बड़े लोग, बडे अधिकारी मतदान में भाग बहुत कम लेते हैं।

वर्तमान चुनाव में यह नारा बहुत प्रचलित है, अबकी बार मोदी सरकार, अबकी बार 400 पार। मोदी के विरोध में विपक्ष एकजुट होने का प्रयत्न कर रहा है, किन्तु सफलता उसकी पहुँच से दूर है। विपक्षी संगठन को INDIA नाम दिया गया है। वस्तुतः पूरा नाम बहुत बडा है, किन्तु INDIA का सही अर्थ क्या है किसी ने समझा नहीं है। हमारे देश का नाम भारत है। जैनियों के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव के पुत्र के नाम भरत पर देश को भारत नाम दिया गया। वेदों में ऋषभदेव के नाम का वर्णन है। अंग्रेजों ने भारत को अपना एक उपनिवेश बनाया और इसे INDIA नाम दिया। ऑक्सफोर्ड के शब्दकोष में INDIA के नाम का अर्थ है, वह जनजाति (ट्राइव) जो अशिक्षित है, लूटपाट में लिप्त है।

चुनावों में भाग लेने वाले लोग कई श्रेणियों में वर्गीकृत किये जा सकते हैं। प्रथव चुनाव के समय सबसे बडी पार्टी कांग्रेस थी। विपक्ष कई दलों में बंटा हुआ रहा है। वर्तमान में संसद की सबसे बडी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) है। भाजपा का राज है। कांग्रेस विपक्ष की बड़ी पार्टी है। यह कहा जा रहा है कि भारत की संसद में कभी 400 सांसद कांग्रेस के थे; किन्तु आज 300 सांसद चुनावों में खडे होने वाले उम्मीदवार भी उसे नहीं मिल रहे हैं, जिन पर वह विश्वास कर सके। गठबंधन के लोग ही आपस में लड रहे हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 सात चरणों में हो रहे हैं। प्रथम चरण के चुनाव 19 अप्रैल 2024 को हो चुके हैं। अन्तिम चरण 7 के चुनाव 01 जून 2024 को होंगे।

पहले चरण के 102 सांसदों के क्षेत्र के चुनावों में मतदान हो चुका है।

भारत में मतदान का पेटर्न उलझे हुये प्रश्न के उत्तर जैसा है। प्रारम्भ में चुनाव का पेटर्न कांग्रेस बनाम अन्य पार्टियां थीं। वर्तमान में अब यह पेटर्न भाजपा बनाम शेष अन्य पार्टियां हैं। नये भारत का जन्म राजनीति के आंगन में हुआ। जहां गणतंत्र है वहां एक दूसरे के विरूद्ध विचारधारा की पार्टी होंगी ही। जिस पार्टी की सरकार है उसके कार्यकर्ता के हित रखने वाले व्यक्ति कमिटेड मतदाता होते हैं। यह माना जाता है, ऐसे लोगों ने पार्टी के पक्ष में मतदान किया ही होगा।

प्रत्येक व्यक्ति अपेक्षा करता है कि उसके देश की सरकार, विकास के प्रति कर्त्तव्य निष्ठ रहे। अतः नये मतदाता, पार्टी इन पावर का साथ देते हैं। कुछ मतदाता समय की बयार के साथ चलते हैं। देश की महिलाओं का मत भी विकास के साथ रहता है। अनुच्छेद 370 की समाप्ति, तीन तलाक से मुक्ति ने मुस्लिम महिलाओं को मतदान के लिये प्रेरित किया है और राम मंदिर ने हिन्दू महिलाओं को मतदान की कीमत समझी है।

सन् 2024 का यह चुनाव मोदी के सबल नेतृत्व में एनडीए संग भाजपा तथा कांग्रेस संग इण्डिया के मध्य लड़ा जा रहा है। एक ओर विश्व के नेताओं के नेता पीएम मोदी ने चुनाव की बागडोर संभाल रखी है तो दूसरी ओर बिखरा हुआ ष्प्छक्प्।ष् संग राहुल की कांग्रेस के बीच लड़ा जा रहा है। एक ओर देश को तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने का है तो दूसरी ओर लड़खड़ाते हुये नेतृत्व विहीन पार्टी चुनाव के मैदान में है। भारत की चारों दिशाओं में अब की बार मोदी सरकार व 400 पार के नारे बुलन्द आवाज में सुनाई दे रहे हैं तो दूसरी ओर विपक्ष को 300 सीटों पर लड़ने वाले उम्मीदवार भी नहीं मिल पा रहे हैं। बनावटी पोल के नतीजे भी चुनाव के रिजल्ट 370 के आस पास दिखा रहे हैं।

दिनांक 19.04.2024 को प्रथम चरण के चुनाव पूरे हुये और देर रात तक यह समाचार मिला कि औसत मतदान कम हुआ है। राजनैतिक गलियारों में कुछ देर के लिये सन्नाटा छा गया। विचारों का द्वन्द प्रारम्भ हो गया। दिनांक 19.04.2024 के बाद चुनाव आयोग का चुनावों का विस्तार से विशलेषण मिला। यदि हम राजस्थान की 12 संसद की सीटों के बूथ वाईज मतदान को देखेंगे तो ज्ञात होगा कि 24370 मतदान केन्द्रों में से 12001 केन्द्रों पर पूर्व चुनाव के औसत 58.28 प्रतिशत से कम वोट पड़े हैं। 5717 बूथों पर तो 50 फीसदी से कम मतदान हुआ है। विशलेषण के आंकडे यह भी कह रहे हैं कि कुछ बूथों पर 90 प्रतिशत मतदान हुआ है और कुछ पर मतदान 10 प्रतिशत ही हुआ है। कुछ जगह मतदाताओं ने चुनाव का बहिष्कार किया है। राजस्थान की तरह ही अन्य राज्यों में भी मतदान में कमी आंकी गई है। 21 राज्यों में से 19 में मतदान में कमी आई है। राजस्थान में 2019 में मतदान 63.7 प्रतिशत था इसके विरूद्ध 2024 में औसत मतदान 57.6 प्रतिशत है। लक्षद्वीप में 2019 में 85.1 प्रतिशत था और 2024 में मामूली सी कमी आंकी गई है, वहां औसत 2024 में 84.1 प्रतिशत आया है। उत्तराखण्ड में 2019 में 61.5 प्रतिशत तो 2024 में 57.2 प्रतिशत पाया गया है। आन्ध्रप्रदेश, तामिलनाडु, महाराष्ट्र में मतदान में काफी कम है। इलेक्शन कमीशन इस कमी पर निकाह लगाये हुये है और इसे बूस्ट करने की योजना दूसरे चरण में करने जा रहा है। आज 26.4.2024 है, यानी दूसरे चरण का मतदान है। ऐसा मालूम हुआ है कि मतदान के समय मुख्य बाजार बंद रहेंगे।

> **भारत में मतदान का पेटर्न उलझे हुये प्रश्न के उत्तर जैसा है। प्रारम्भ में चुनाव का पेटर्न कांग्रेस बनाम अन्य पार्टियां थीं। वर्तमान में अब यह पेटर्न भाजपा बनाम शेष अन्य पार्टियां हैं। नये भारत का जन्म राजनीति के आंगन में हुआ। जहां गणतंत्र है वहां एक दूसरे के विरूद्ध विचारधारा की पार्टी होंगी ही।**

कम वोटिंग के कई कारण हैं। अलग-अलग प्रदेशों में भी ये कारण भिन्न हो सकते हैं, किन्तु इस सच को स्वीकार नहीं किया जा सकता कि कम मतदान का अर्थ है, मतदाता का लोकतंत्र में विश्वास कम होना है।

पहले चरण में यह भी देखने में आया है कि जहां भाजपा का असर है वहां मतदान कम हुआ है किन्तु जहां भाजपा का प्रभाव नगण्य है वहां मतदान बम्पर भी हुआ है।

प्रथम चरण में मतदान की कमी का कारण कुछ चुनाव विशेषज्ञ यह मानते हैं कि भाजपा यह मान बैठी थी कि उनकी जीत सुनिश्चित है, और कांग्रेस के कार्यकर्ता हार के भय से निराश हो गये थे। हार निश्चित है, फिर मतदान कराने का नाटक क्यों किया जावे? मतदान के समय कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मतदाताओं को घर से बूथ तक लाने का प्रयत्न नहीं के बराबर किया जबकि भाजपा कार्यकर्ता भी एक सीमा तक आशावान होने से पूर्ण सजग नहीं रहे।

एक चुनाव विशेषज्ञ का विचार लेखक को सारगर्भित लगा। उनका कहना था कि कांग्रेस अपनी सन्तानों को सैट करना चाहती है, वहीं मोदी सभी लोगों की सेवा में खड़ा है।

चुनावों में एक बात मूल रूप से देखी जा रही है कि पैसे वाले व बुद्धि वाले मत देने बूथ तक नहीं जाते। मतदान में झुग्गी-झौंपडी के मतदाताओं की संख्या अधिक रहती है। अतः मतदान अनिवार्य Compulsory होना चाहिये। प्रत्येक मतदाता का कर्त्तव्य है कि वह मतदान धर्म व कर्म समझकर करें।

पहले चरण के चुनाव में यह देखा गया है सभी पार्टियां भीतरी घात से प्रभावित है। एक व्यक्ति वर्षों तक अपनी पार्टी के नेताओं की सेवा करता रहा और जब उसका हक परिपक्व हुआ तो दूसरी पार्टी के व्यक्ति को जो पार्टी छोड़कर आया है उसे टिकिट दे दिया जाता है। इन परिस्थितियों में भीतरी घात का होना स्वाभाविक ही माना जाना चाहिये। जब तक कोई व्यक्ति लगातार 5 वर्षों तक एक राजनैतिक पार्टी का सदस्य नहीं रहता उसे पार्टी चुनाव के हेतु टिकिट न दिया जावे। **'आया राम गया राम'** का सिद्धान्त नैतिक नहीं है।

मतदान का अधिकार संवैधानिक अधिकार है अतः न तो यह बेचा जा सकता है न खरीदा ही जा सकता है। संविधान के अनुसार मतदाता और चुनाव में खड़ा होने वाला वही व्यक्ति होना चाहिये जो संविधान के अनुच्छेद 51क के तहत् अपने मूल कर्त्तव्यों की पालना कर रहा हो। देश की संसद का समस्त कार्य संविधान के अनुसार होना चाहिये, अतः आवश्यक है वह संविधान की जानकारी रखने वाला हो। वह कानून बनाता है, अतएव वह पढ़ा-लिखा होना चाहिये। यह सुझाव कई बार दिया जा चुका है कि सांसद/विधायक बनने के लिये ग्रेजूयेट होना कानून में आवश्यक किया जावे। जो व्यक्ति अनुच्छेद 51क के कर्त्तव्यों की पालना करने में बार-बार चूक कर रहा हो उसे चुनाव में खड़ा होने के योग्य नहीं माना जावे।

हमारा चुनाव का कानून The Representation of People Act, 1951 बहुत पुराना हो चुका है। समय के साथ वह पिछड चुका है। उसमें बहुत सुधारों की आवश्यकता है। अतः सम्पूर्ण रूप से नया कानून लाना आवश्यक हो गया है। नया कानून शीघ्र से शीघ्र लाया जावे। संविधान में भी इस हेतु आवश्यक संशोधन हों। चुनावों में राजनीतिक पार्टियों को चंदा कहां से और कैसे प्राप्त हो यह पारदर्शी होना चाहिये। उम्मीदवार अधिक से अधिक कितना खर्चा चुनाव पर खर्च कर सकता है, इसकी सीमा निर्धारित होनी चाहिये और पालना आवश्यक हो। देश में संसद व विधान सभा, नगरपालिका अथवा पंचायत के चुनाव एक साथ हो, विकासशील देश के लिये एक देश एक चुनाव आवश्यक है। सन् 1952 से प्रारम्भ होने वाले चुनावों का स्तर धीरे-धीरे गिरता जा रहा है। नेताओं की जबान विषैली हो गई है यह सच है संविधान ने हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है, किन्तु जिस भाषा का हम चुनावों में प्रयोग कर रहे हैं वह उस देश की भाषा नहीं हो सकती, जिस देश में गंगा बहती है।

प्रश्न लेख में यही उठाया गया था कि प्रथम चरण के चुनाव में मतदान औसत से कम क्यों हुआ? इसका सीधा, सरल व उचित उत्तर है भारतीय जनता पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं का जीत के प्रति अति उत्साहित होना कि हमारी जीत तो निश्चित है। कांग्रेस के नेताओं व कार्यकर्ताओं में निराशा की भावना व्याप्त होना कि वे तो हारेंगे ही फिर मेहनत क्यों की जावे? परिणाम यह हुआ कि मतदाता जिस संख्या में मतदान करते वे पोलिंग बूथ तक पहुंच ही नहीं सके। मतदान कम हुआ। मतदान में कमी लोकतंत्र में विश्वास की कमी को प्रदर्शित नहीं करता। मतदान का सिद्धान्त है कि सत्ता बरकरार रहने के माहौल के कारण मतदान में कमी आती है और बदलाव के लिये ज्यादा मतदान होता है।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

पक्षीघर बनाने वाले-नेमीचंद चौपड़ा

पक्षियों के लिए आवास और दाना-पानी जुटाने की पहल

डॉ. अरुणा व्यास

यह समय पक्षियों के लिए संकट का है। खासकर से गौरैया के लिए। तेजी से बदलते शहर और वहां बनने वाले आवास अब घरेलू गौरैया के लिए उपयुक्त नहीं रह गए हैं। गौरैया मानव के लिए बेहद लाभकारी है। पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने और घातक कीटों को खाकर अपना जीवन यापन करने वाले इस पक्षी के नहीं रहने का अर्थ है, मानव सभ्यता पर ही संकट। असल में अब जो घर बन रहे हैं, वह इस तरह से बन रहे हैं कि वहां गौरैया के घोंसले के लिए जगह नहीं होती। माइक्रोवेव टावरों और कीटनाशकों के कारण होने वाले प्रदूषण से घरेलू गौरैया की पूरी की पूरी प्रजाति संकट में है। गौरैया ही क्यों दूसरे पक्षी भी अब बहुत कम दिखने को मिलते हैं। सोचिए, ऐसा ही यदि होता रहा तो आने वाले समय में पक्षियों के बगैर ही हमें रहना होगा और इसका अर्थ है, स्वयं हमारे ही अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह!

हमारी संस्कृति में कहा गया है पक्षियों को दाना-पानी देने से भविष्य के अनिष्ट से स्वयमेव छुटकारा मिल जाता है। यह भी कि हजार मनुष्यों के बजाए हजार मूक जीवों को भोजन कराना अधिक पुण्य का कार्य है। यह समय भीषण गर्मी का है, गौरैया और दूसरे पक्षियों के लिए दाना-पानी की बड़ी समस्या इस समय रहती है। इस दृष्टि से पाली में बहुत महती काम किया है, समाजसेवी नेमीचंद चौपड़ा ने। नेमीचंद चौपड़ा मूलतः व्यवसायी हैं परन्तु पिछले एक दशक से पक्षियों को बचाने की मुहिम में लगे हैं। उनकी इस मुहिम का आधार है, पक्षियों के लिए घर बनाकर उन्हें बसाना। आरंभ में गौरैया को बचाने के लिए उन्होंने ऐसा किया पर अब वह जो घर पक्षियों के लिए बनाते हैं, उनमें सब-तरह के पक्षी, कबूतर अपना आवास करते हैं और वहीं दाना-पानी की उनकी पूर्ति भी हो जाती है। नेमीचंद चौपड़ा ने पाली में विशेष रूप से पक्षी-घर बनाए हैं। आमतौर पर पक्षियों के लिए पेड़ ही बसेरा होता है। गौरैया के लिए लोगों के घर भी बसेरा होते हैं परन्तु बदलती जीवन शैली में गौरैया को घर कौन दे? कौन उसे अपने यहां घोंसला बनाने दे? इसलिए उनके यह घर भी अब दूर की सोच हो गए हैं। और फिर जैसे-जैसे कंक्रीट के जंगल में यह सारा संसार तब्दील होता जा रहा है, पक्षियों और जानवरों के लिए रहने के ठिकाने छीनते जा रहे हैं।

पक्षी कहां जाए? कैसे उनको भोजन मिले? कैसे वे श्वान और दूसरे जानवरों के शिकार होने से बचे रहें? इन्ही प्रश्नों से जूझते भामाशाह नेमीचंद चोपड़ा ने पक्षियों के लिए घर बनाने के विचार को मूर्त रूप दिया। पक्षी प्रायः तिनका-तिनका एकत्र किए अपने घोषलों में ही रहना पसंद करते हैं, पर शहरों में इमारतों के फैलते जंगल में तिनके कहां से आए? इसी सोच से नेमीचंद चौपड़ा ने पक्षियों के रहने के लिए ही बहुमंजिला आवास की पहल की। इसके लिए बाकायदा पक्षियों के लिए मौसम की अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए घोंसला रूपी निर्माण कार्य आरंभ किया गया। पाली में पक्षियों के लिए बहुत सुंदर घर बने हैं। बहुमंजिला इमारतों में मनुष्य नीं पक्षी अपनी मर्जी से रहते हैं। पाली जाएंगे तो आपको नेमीचंद चौपड़ा के बनाए पक्षियों के लिए अनूठे ठिकाने देखने को मिलेंगे। यहां पक्षी घोंसलों के बजाय हमारी ही तरह फ्लैट में रहते हैं, वो भी हजारों की तादाद में। इन मूक परिंदों के लिए ऐसे फ्लैट बनवाए गए हैं, जिनमें गर्मी के तेज ताप भी बेअसर है। बाकायदा इसके लिए गुजरात के कारीगरों को बुलाकार कार्य किया गया। गुजरात की मोरबी टाइल्स से इनका निर्माण किया गया है। यह गर्मी में ठंडी और सर्दी में गर्म रहती है। माने वातानुकूल हैं। नेमीचंद चौपड़ा बताते हैं, इसके लिए गुजरात गया था। वहां देखा 12 फूट का पक्षीघर किसी ने बनाया था। मैंने यह जो पाली में बनाया है वह 72 फूट का है। यहां तूफान आया पर कुछ नहीं हुआ। इस पक्षीघर में करीब 3000 पक्षियों के घोंसले हैं, जो देखने में भी काफी सुंदर लगते है। नेमीचंद चौपड़ा ने पाली ही नहीं, जिले के दूसरे गांव-कस्बों में भी ऐसे ही फ्लैट पक्षियों के लिए बनवाए हैं। उद्देश्य यही है कि पक्षी सुकून से वहां रह सके। पाली शहर के तीन ओर से पानी से घिरे लाखोटिया उद्यान में उन्होंने आरंभ में ऐसे ही दो पक्षीघर बनाए हैं। शहरवासी यहां उद्यान में घूमने आते हैं और पक्षियों के लिए दाना-पानी डालते हैं। इससे पक्षियों को फ्लैट से बाहर आने तक की जरूरत नहीं होती है। इससे पक्षियों के मरने के आंकड़ों में भी कमी आयी है। पक्षियों के अपने घर है। इसलिए उन्हें श्वान का डर नहीं है। इतनी ऊंचाई पर है कि वहां श्वान पहुंच नहीं सकते। बरसात व अंधड़ के समय भी पक्षी सुरक्षित रहते हैं। नेमीचंद चौपड़ा ने पाली के साथ ही सोजतरोड, निमाज और जैतारण सहित अन्य इलाकों में भी पक्षियों के लिए ऐसे ही पक्के पक्षीघर बनवाए हैं। नेमीचंद उदार व्यवसायी हैं। पक्षीघर के बाद अब शहर में तोता घर का निर्माण करवाने का भी उनका विचार है। वह कहते हैं, तोतों के लिए अलग से पक्के घर का निर्माण करवाया जाएगा। इनकी रूपरेखा तैयार कर ली गई है। पाली हाइवे पर नेमीचंद चौपड़ा ने प्रख्यात संत रूप मुनि जी की स्मृति में भव्य जैन मंदिर और साधु-संतों के समागम के लिए विश्राम गृह का निर्माण भी किया है। वह चाहते हैं, श्रमण संस्कृति के आलोक में जैन धर्म से जुड़े इतिहास और संस्कृति का एक विशाल पुस्तकालय भी रूप-मुनि की स्मृति में स्थापित करें। इसके लिए भी उन्होंने सुनियोजित कार्य योजना के तहत पहल की है। उद्देश्य यही है कि इस पुस्तकालय के साथ जैन धर्म से जुड़ी भारतीय संस्कृति के मौलिक शोध और अनुसंधान को गति दी जा सके।

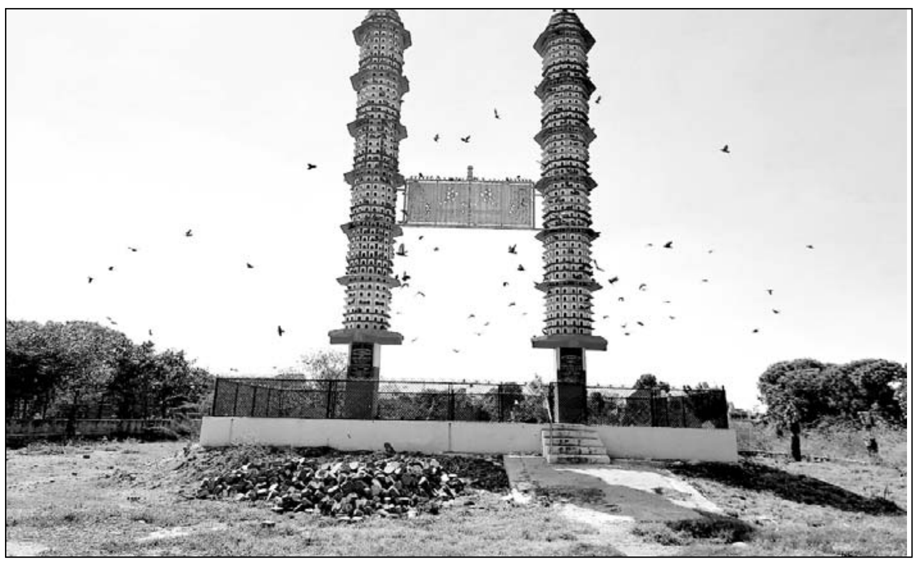

डॉ. अरुणा व्यास,
पत्रकार एवं लोक-संस्कृति मर्मज्ञ

स्याही लगी अंगुली दिखाने पर कई व्यापारी देंगे विशेष ऑफर व डिस्काउंट

जालोर, (कासं)। लोकसभा आम चुनाव-2024 के दौरान दी जनरल मर्चेंट एसोसिएशन जालोर व विभिन्न व्यापारिक फर्मों द्वारा 26 अप्रेल को मतदान दिवस पर मतदाताओं को वोट देने के उपरांत 'अमिट स्याही लगी अंगुली' दिखाने पर विभिन्न प्रकार की वस्तुओं पर विशेष ऑफर व डिस्काउंट दिया जा रहा है।

प्रप्त जनकारी के अनुसार प्रशासन की विशेष पहल पर दी जालोर मर्चेंट एसोसिएशन जालोर ने 26 अप्रेल को मतदान दिवस पर विभिन्न व्यापारिक फर्मों मतदाताओं को वोट देने के उपरांत अमिट स्याही लगी अंगुली दिखाने पर 27 व 28 अप्रेल को विशेष ऑफर व डिस्काउन्ट दिया जा रहा है जिसके तहत जय श्री एजेन्सी (फुटवियर) सामतीपुरा रोड़, गायत्री मंदिर के पास जालोर, जगदम्बा फैन्सी स्टोर घांचियों की पिलानी जालोर, एसबीआई ग्राहक सेवा केन्द्र (बजरंग वैष्णव) तिलक द्वार जालोर, राजस्थान मोबाईल जालोर, भवानी ऑटो पार्ट्स हेड पोस्ट ऑफिस रोड़ जालोर, जगदम्बा मोबाईल हरिदेव जोशी सर्किल जालोर, गुप्ता स्पीट्स एवं जलपान जालोर, ललित सन्स स्टोर गांधी चौक जालोर, महामाया फुटवियर माणक चौक जालोर, देश बंधु कपड़ा व्यापारी सदर बाजार जालोर, मॉडर्न मोबाईल वन-वे-रोड़ जालोर, डायमण्ड हैयर कटिंग वन-वे-रोड़ जालोर, शक्ति शू पैलेस वन-वे-रोड़ जालोर, अप्सरा ज्वैलर्स सायरपोल के बाहर जालोर, भवानी शू पैलेस वन-वे-रोड़ जालोर, भव्य हेयर सैलुन रघुरतन पैलेस जालोर, जड़ाव ज्वैलर्स सायरपोल के बाहर जालोर, विमल वस्त्रलोक सदर बाजार जालोर, सिद्धी विनायक जनरल स्टोर संजय नगर जालोर, जीत किराण स्टोर राजेन्द्र नगर जालोर, मारूति ज्वैलर्स तिलक द्वार जालोर, बजरंग फैन्सी स्टोर सुभाष मार्केट जालोर, आशापुरी फैन्सी स्टोर सुभाष मार्केट जालोर, बी मार्ट सुभाष मार्केट जालोर, अर्हम् इलेक्ट्रोनिक्स हेड पोस्ट ऑफिस रोड़ जालोर, जय महादेव गिफ्ट एण्ड प्लास्टिक वीरम चौक जालोर, नक्षत्रा किड्स सीटी कॉम्पलेक्स जालोर, एल बी सन्स एण्ड स्वधा इलेक्ट्रोनिक्स वन-वे-रोड़, एफ गैलेरी मेन्स वियर वन-वे-रोड़ जालोर व अलेक्स फैशन वन-वे-रोड़ जालोर द्वारा विभिन्न प्रकार की वस्तुओं पर छूट दी जा रही हैं।

इसी प्रकार 26 व 27 अप्रेल को मतदाताओं द्वारा वोट देने के पश्चात् स्याही लगी अंगुली दिखाने पर कृष्णा इलेक्ट्रोनिक्स (खण्डेलवाल ब्रदर्स) वन-वे-रोड जालोर व कुमावत एन्टरप्राईजेट भीनमाल बाईपास रोड़ जालोर द्वारा विशेष ऑफर व डिस्काउंट दिया जा रहा हैं।

अधिवेशन 28 को

जोधपुर, (कासं)।राजस्थान पेन्शनर समाज,उपशाखा-प्रतापनगर का वार्षिक अधिवेशन 28 अप्रेल रविवार को सांय 4.30 बजे प्रतापनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सेक्टर 4 के सामुदायक भवन में राजस्थान पेन्शनर समाज उपशाखा-प्रतापनगर का वार्षिक अधिवेशन अतिथी सम्मान के साथ प्रारम्भ होगा।

उपशाखा अध्यक्ष देवदास शर्मा ने बताया कि अतिथि सम्मान के पश्चात उपस्थित पेन्शनरों को अध्यक्ष द्वारा आभार प्रकट किया जाएगा और संगठन से जुड़ी जानकारियां दी जाएगी।

इसके पश्चात सोहन मेड़तिया,महामंत्री द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जावेगा और आगामी वर्ष की योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी।

महेन्द्र राखेचा कोषाध्यक्ष वर्ष 2023-24 के आय-व्यय विवरण प्रस्तुत करेंगे।

मतदान केंद्रों पर स्थापित होंगे सेल्फी पॉइंट्स

जोधपुर, (कासं)। लोकसभा चुनाव के लिए 26 अप्रैल को जोधपुर जिले में मतदान होना है। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप टीमों द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन अपने चरम पर हैं।

जोधपुर शहर स्वीप टीम सह प्रभारी केसर सिंह राजपुरोहित ने बताया कि सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं एडीएम जोधपुर शहर प्रथम प्रहलाद सहाय नागा के निर्देशन में जोधपुर शहर स्वीप टीम की सक्रिय सहभागिता से 20 चयनित मतदान केंद्रों पर जहाँ पिछले चुनाव में मतदान प्रतिशत कम रहा वहां मतदान वाटिका स्थापित की जा चुकी है ।

इन मतदान केंद्रों पर स्वीप टीम के राजेश गोदारा, अनुपाल सिंह द्वारा संबंधित सामग्री का वितरण किया गया। इन मतदान केंद्रों पर मतदान के लिए पहुंचने वाले पहले 5 मतदाताओं से बीएलओ व अन्य कार्मिकों द्वारा वाटिका में पौधरोपण करवाया जाएगा। साथ ही मतदान केंद्रों पर स्थापित सेल्फ़ी पॉइंट पर मतदाता सेल्फ़ी ले सकते है। महत्वपूर्ण बात यह है कि नव मतदाताओं के लिए सुबह 7 से 9 बजे तक पिछले चुनाव में 60 प्रतिशत से कम मतदान वाले मतदान केंद्रों पर प्रथम 25 व अन्य सभी मतदान केंद्रों पर प्रथम 20 नव मतदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। राजपुरोहित ने बताया की मतदान दिवस पर मतदाता, मतदाता पहचान पत्र के अलावा निर्वाचन आयोग द्वारा जारी वैकल्पिक दस्तावेजो की सूची अनुसार 12 अन्य दस्तावेज यथा आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, मनरेगा जॉब कार्ड, पेंशन दस्तावेज(फ़ोटो सहित), स्वास्थ्य बीमा कार्ड, आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, सेवा पहचान पत्र, आधिकारिक पहचान पत्र, दिव्यांग यूनिक आईडी की सहायता से भी मतदाता वोट कर सकते है।

मतदाता वोटर हेल्पलाइन एप द्वारा ई एपिक कार्ड डाउनलोड कर सकते है, साथ ही बूथ पर मतदाताओ की कतार कितनी लंबी है सुगम्य पोर्टल के माध्यम से जान सकते है। आज स्वीप टीम द्वारा मतदाता जागरूकता वैन द्वारा भी विभिन्न बूथ एवं आस पास के क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता के लिए ऑडियो ,वीडियो के माध्यम से जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है।

शत प्रतिशत मतदान का प्रचार

जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव अग्रवाल तथा जिला स्वीप प्रभारी डॉ धीरज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता के लिए स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत उन मतदान केंद्रों पर जहां पिछले लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत कम रहा वहां जनसंपर्क द्वारा मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, चिकित्सा विभाग से एएनएम का सहयोग लेकर प्रयास किया गया ।

गुरुवार को राजकीय जूनियर मिलिट्री उच्च माध्यमिक विद्यालय सारण नगर बनाड़ रोड के भाग संख्या 132 के कैचमेंट एरिया के मतदाताओं से संपर्क कर उन्हें अधिकाधिक मतदान के लिए प्रेरित किया गया । जिला स्वीप टीम से मोहन राम बिश्नोई, ललित गहलोत के मार्गदर्शन में टीम सदस्यों ने कम प्रतिशत वाले मतदान केंद्र भाग संख्या 132 सुल्तान नगर, नट बस्ती, सभी अनुभागों के मतदाताओं से घर घर संपर्क कर मतदान का महत्व समझाया एवं मतदाताओं ने मतदाता शपथ लेकर अधिकतम मतदान का संकल्प लिया।

मोहन राम बिश्नोई ने जानकारी देते हुए बताया कि मोबाइल वैन की ओर से दीगाड़ी, श्याम नगर, एयरपोर्ट क्षेत्र, शिकारगढ़ क्षेत्र में मतदान जागरूकता कार्यक्रम किया गया।

राशिफल शुक्रवार 26 अप्रेल, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, अनुप्रभा नक्षत्र रात्रि 3:40 तक, वारियान योग रात्रि 4:14 तक, गर करण प्रातः 7:47 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मेष, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मेष, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से रात्रि 3:40 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 3:40 तक रहेगा। भद्रा रात्रि 8:3 से आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 7:33 तक, लाभ-अमृत 7:33 से 10:48 तक, शुभ 12:25 से 2:02 तक, चर 5:56 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:56, सूर्यास्त 6:53

मेष

पारिवारिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। आवश्यक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। पारिवारिक/व्यक्तिगत कार्यों के लिए यात्रा संभव है।

मिथुन

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क

परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में आपसी अनबन हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कन्या

आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। पारिवारिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

धनु

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। मन में असंतोष बना रहेगा।

मकर

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।